



## व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव

### प्रलिस के लिये:

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन, व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य, चरम मौसमीय घटनाएँ, श्रम सुरक्षा, व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और से संबंधित संवैधानिक प्रावधान, मजदूरी संहिता (केंद्रीय) नियम -2020

### मेन्स के लिये:

व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव ।

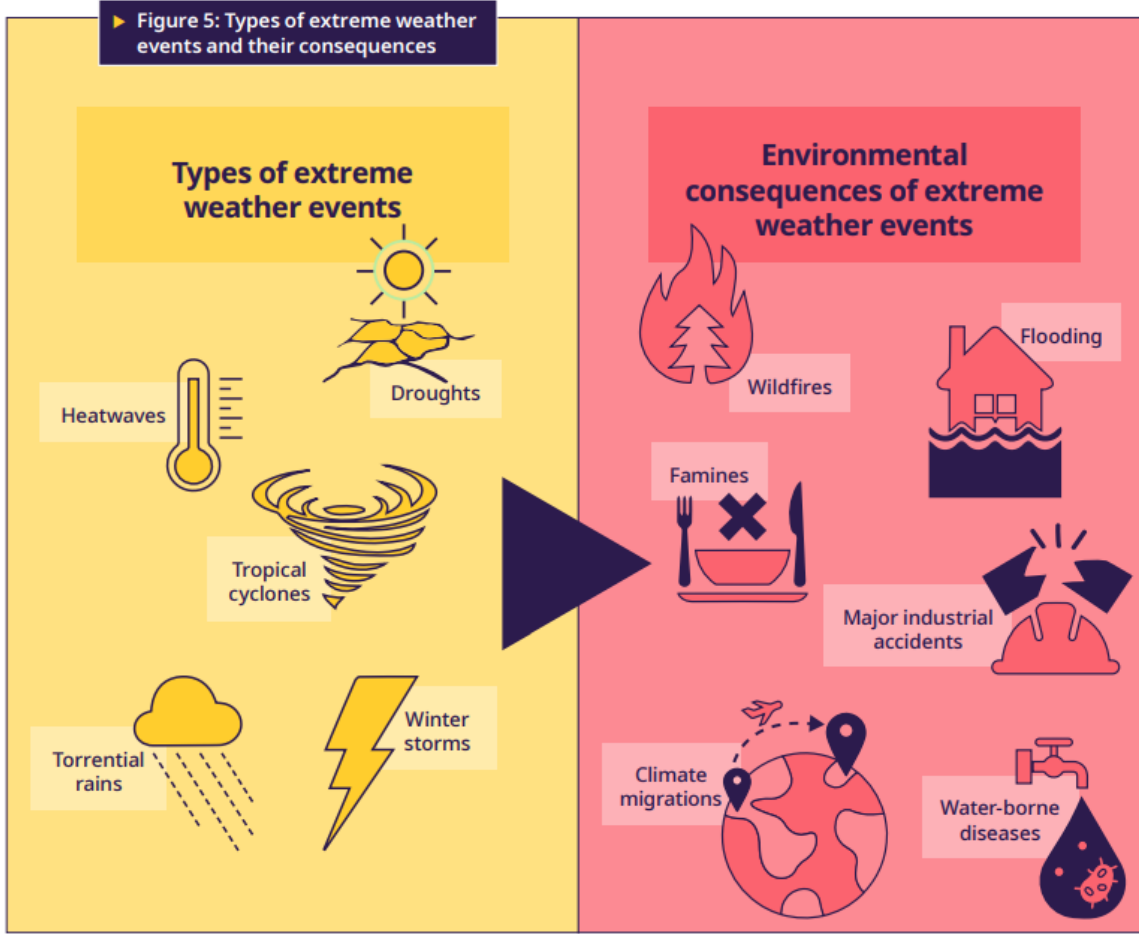
स्रोत: अंतरराष्ट्रीय श्रम

????? ??? ???????

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (International Labour Organization- ILO) की एक हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि जलवायु परिवर्तन विश्व में व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य (Occupational Safety and Health- OSH) को अत्यधिक प्रभावित कर रहा है, जिससे श्रमिकों को बढ़ते खतरों का सामना करना पड़ रहा है और उन्हें विपरीत परिस्थितियों में काम करना पड़ता है ।

?????????? ??????? ?? ?????????? ?? ?????? ?????????? ?? ?????? ????? ??????

व्यावसायिक खतरा	प्रभावित उद्योग	स्वास्थ्य संबंधी जोखिम	प्रभाव
अत्यधिक गर्मी का जोखिम	कृषि, पर्यावरणीय सेवाएँ, निर्माण, आदि।	हीट स्ट्रेस, हीटस्ट्रोक, रबडोमायोलिसिस (मांसपेशियों का खिंचाव), हृदय संबंधी रोग, आदि।	प्रतिवर्ष 2.41 अरब कर्मचारी जोखिम में पड़ते हैं, 22.85 लाख घायल होते हैं, जबकि 18,970 कार्य-संबंधी मौतें होती हैं।
यूवी विकिरण एक्सपोजर	बाहरी कार्य जैसे निर्माण, कृषि, जीवन रक्षक, आदि।	सनबर्न, त्वचा कैंसर, कमज़ोर प्रतिरक्षा प्रणाली, आदि।	प्रतिवर्ष 1.6 अरब कर्मचारी इसके संपर्क में आते हैं, अकेले नॉन-मेलेनोमा त्वचा कैंसर से 18,960 से अधिक मौतें होती हैं।
खराब मौसम की घटनाएँ	आपातकालीन कर्मचारी, निर्माण, कृषि आदि।	खराब मौसम की घटनाओं के कारण विभिन्न प्रकार के जोखिमों का डर	भारत, बांग्लादेश, थाईलैंड और लाओस के कई हिस्सों में अप्रैल, वर्ष 2023 में रिकॉर्ड उच्च तापमान दर्ज किया गया।
कार्यस्थलीय वायु प्रदूषण	बाह्य कर्मचारी, परिवहन कर्मचारी, अग्निशामक आदि।	फेफड़ों का कैंसर, श्वसन रोग, हृदय रोग	1.6 बिलियन बाह्य कर्मचारियों को वायु प्रदूषण के कारण जोखिम में वृद्धि का सामना करना पड़ता है, हर साल लगभग 860,000 कार्य से संबंधी मृत्यु होती हैं।
वेक्टर-जनित रोग	बाह्य श्रमिक जैसे किसान, भूस्वामी, निर्माण श्रमिक आदि।	मलेरिया, लाइम रोग, डेंगू व अन्य	सीमिति डेटा, परजीवी और वेक्टर जनित रोगों के कारण हर साल लगभग 15,170 से अधिक कार्य से संबंधी मृत्यु होती हैं।
एग्रोकैमिकल एक्सपोजर	कृषि, रासायनिक उद्योग, वानिकी आदि।	वैषिकृतन, कैंसर, न्यूरोटॉक्सिसिटी, प्रजनन संबंधी विकार आदि।	कृषि में 873 मिलियन श्रमिकों के लिये महत्वपूर्ण जोखिम, <u>कीटनाशक</u>



//

## भारत में श्रम सुरक्षा से संबंधित प्रावधान क्या हैं?

- **संवैधानिक प्रावधान:**
- **समवर्ती सूची:** श्रम समवर्ती सूची का एक वषिय है जहाँ केंद्र और राज्य दोनों सरकारें केंद्र के लिये आरक्षणित कुछ मामलों के तहत कानून बनाने में सक्षम हैं।
- इस सूची में प्रवर्षिट संख्या 55 में "खानों और तेल क्षेत्रों में श्रम एवं सुरक्षा का वनियमन" का उल्लेख है।
- **राज्य के नीति नरिदेशक सदिधांत:**
- **संवधान का अनुच्छेद 39(e)** लगी की परवाह कयि बना श्रमकों के स्वास्थय की सुरक्षा पर ज़ोर देता है और यह सुनश्चिति करता है कऱिउमर कम होने के कारण बच्चों का शोषण न कयिा जाए।
- इसका उद्देश्य **व्यक्तियों को आर्थिक परस्थितियों के कारण** ऐसे व्यवसायों में शामिल होने के लयि **मजबूर होने से रोकना** है जो उनकी शारीरिक क्षमताओं के लयि उपयुक्त नहीं हैं।
- **अनुच्छेद 42** में कहा गया है कऱि राज्य न्यायसंगत सुरक्षा एवं श्रम की मानवीय स्थितियों तथा मातृत्व राहत के लयि प्रावधान करेगा
- **अनुच्छेद 43** राज्य के उत्तरदायित्व को रेखांकित करते हुए यह सुनश्चिति करता है कऱि सभी श्रमकों को, चाहे वे कृषि, उद्योग अथवा अन्य क्षेत्रों में हों, एक ऐसा वेतन मलिे जो उन्हें एक बेहतर जीवन स्तर प्रदान करता हो।
- इसमें श्रम की वह स्थितियाँ सम्मलिति हैं जो जीवन की संतोषजनक गुणवत्ता, पर्याप्त अवकाश तथा सामाजिक एवं सांस्कृतिक अवसरों तक पहुँच सुनश्चिति करती हैं
- इसके अतरिकित, राज्य को ग्रामीण क्षेत्रों में व्यक्तगित या सहकारी रूप से कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहन देने की दशिा में कार्य करना चाहयिे।
- **वधायी प्रावधान:** **व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थय और कार्य स्थिति संहति, 2020** नयिकताओं तथा करमचारियों के लयि उत्तरदायित्वों को नरिपुति करती है, सभी व्यावसायिक क्षेत्रों में सुरक्षा मानक, करमचारी स्वास्थय, कार्य के घंटे तथा छुट्टी संबंधी नीतियों को नरिधारति करती है।
- भारत में **श्रम और रोज़गार मंत्रालय** के अंतरगत **श्रम ब्यूरो**, औद्योगिक दुर्घटनाओं पर आँकड़े संकलति करता है तथा व्यावसायिक सुरक्षा की देखरेख करता है।
- **अंतरराष्ट्रीय प्रतबिद्धताएँ:** भारत ने 1 प्रोटोकॉल के साथ 47 अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन सम्मेलन समझौतों की पुषटिकी है, जसिमें से 39 समझौते वर्तमान में लागू हैं।
- श्रमकों के स्वास्थय से संबंधित प्रमुख सम्मेलनों में सम्मलिति हैं- युवा व्यक्तियों की चकितिसा जाँच (समुद्री) सम्मेलन, 1921, उपचार की समानता

**Existing international labour standards and codes of practice related to climate change and OSH**

**General climate-related OSH hazards**

- Occupational Safety and Health Convention, 1981 (No. 155)
- Occupational Safety and Health Recommendation, 1981 (No. 164)
- Promotional Framework for Occupational Safety and Health Convention, 2006 (No. 187)
- Promotional Framework for Occupational Safety and Health Recommendation, 2006 (No. 197)
- Occupational Health Services Convention, 1985 (No. 161)
- List of Occupational Diseases Recommendation, 2002 (No. 194)
- Safety and Health in Agriculture Recommendation, 2001 (No. 192)
- Hygiene (Commerce and Office) Recommendation, 1964 (No. 120)
- Workers' Housing Recommendation, 1961 (No. 115)
- Reduction of Hours of Work Recommendation, 1962 (No. 116)
- Protection of Workers' Health Recommendation, 1953 (No. 97)
- Safety and health in construction (revised 2022), Code of Practice
- Safety and health in shipbuilding and ship repair (revised 2019), Code of Practice
- Safety and health in ports (revised 2016), Code of Practice
- Safety and health in forestry (1998), Code of Practice
- Safety and health in opencast mines (1991), Code of Practice

**Excessive heat**

- Plantations Convention, 1958 (No. 110)
- Ambient factors in the workplace (2001), Code of practice

**Vector-borne diseases**

- Workers' Housing Recommendation, 1961 (No. 115)
- Technical guidelines on biological hazards in the working environment (2022)

**Ultraviolet (UV) radiation**

- Ambient factors in the workplace (2001), Code of practice

**Agrochemicals**

- Chemicals Convention, 1990 (No. 170)
- Chemicals Recommendation, 1990 (No. 177)
- Safety and Health in Agriculture Convention, 2001 (No. 184)
- Safety and health in agriculture (2010), Code of practice
- Safety in the use of chemicals at work (1993), Code of practice

**Air pollution**

- Working Environment (Air Pollution, Noise and Vibration) Convention, 1977 (No. 148)
- Working Environment (Air Pollution, Noise and Vibration) Recommendation, 1977 (No. 156)

**Extreme weather events**

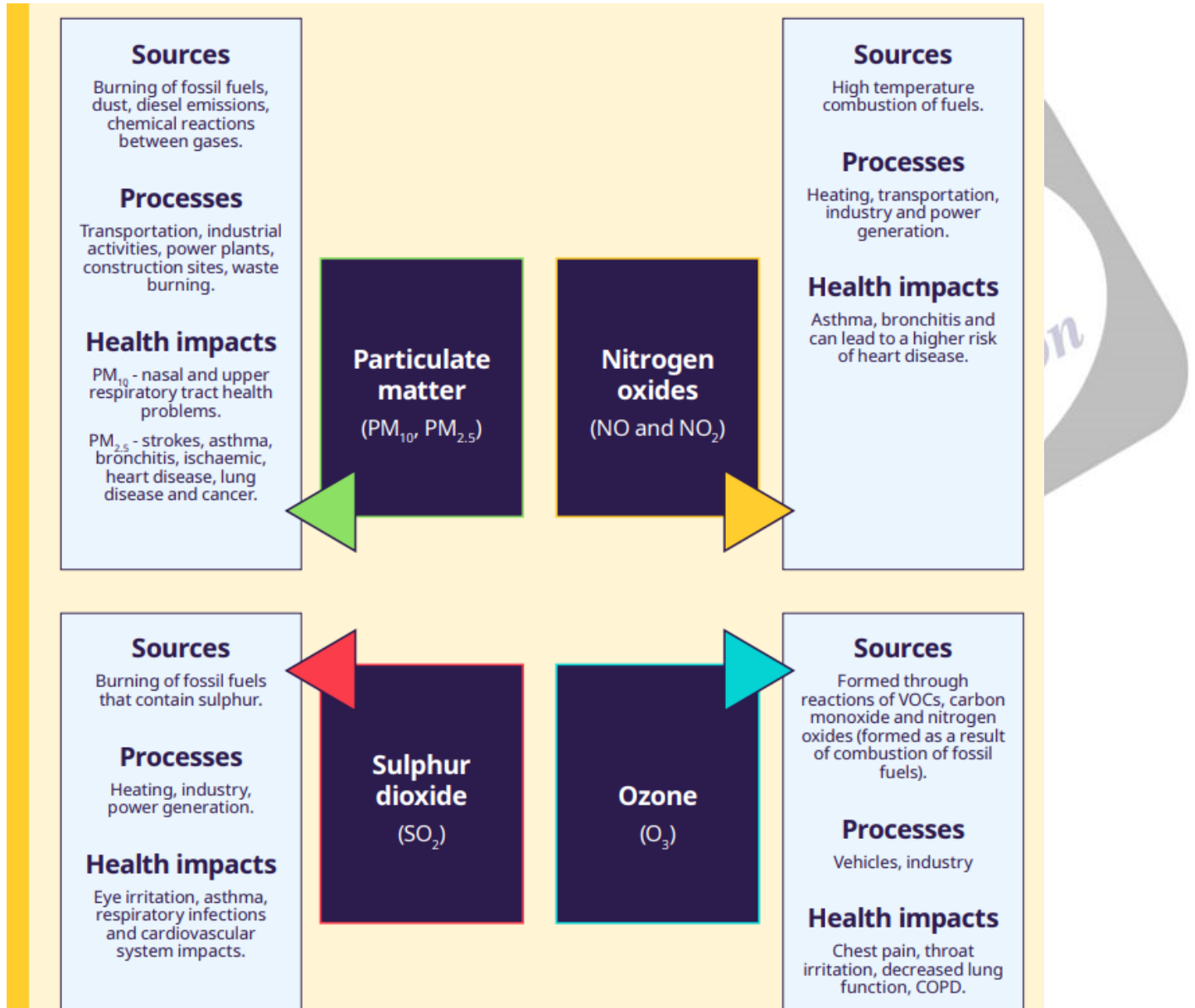
- Prevention of Major Industrial Accidents Convention, 1993 (No. 174)
- Prevention of Major Industrial Accidents Recommendation, 1993 (No. 181)
- Employment and Decent Work for Peace and Resilience Recommendation, 2017 (No. 205)

???????? ???? ???? ?????????? ?? ????????? ????????? ????????? ?????????

देश	तापमान सीमाएँ
भारत	फैक्टरी वर्करूम में वेट बल्ब ग्लोब तापमान (WBGT) 30°C से अधिक नहीं होना चाहिये ।
चीन	40°C बाहरी तापमान से अधिक पर काम रोकना ।

## नोट:

- भारतीय राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने गृह मंत्रालय के साथ मलिकर शर्मिकों की सुरक्षा के लिये हीटवेव के प्रबंधन के लिये दशानरिदेश जारी किये ।
- ये दशानरिदेश शर्मिकों को शक्ति करने, जलयोजन सुनश्चिति करने, कार्यक्रम को वनियमति करने और चकित्सा सुवधिएँ प्रदान करने पर ज़ोर देते हैं ।
- गर्भवती शर्मिकों और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं वाले लोगों पर वशिष ध्यान देने की सलाह दी जाती है । आमतौर पर उन्हें हल्के, वायु पारगम्य वस्त्र पहनने और छतरयिों या टोपी का उपयोग करने की सलाह दी जाती है ।



## आगे की राह

- **प्रशक्तिषण और जागरूकता:** जलवायु संबंधी खतरों और सुरक्षा उपायों पर व्यापक प्रशक्तिषण तथा जागरूकता कार्यक्रम प्रदान करने से शर्मिकों को जोखमिों की पहचान करने व प्रभावी ढंग से प्रतिकरिया करने के लिये सशक्त बनाया जा सकता है ।
- **हरति रोजगार और सतत् प्रथाएँ:** हरति रोजगार और सतत् प्रथाओं को बढ़ावा देना न केवल जलवायु परिवर्तन को कम करने में योगदान देता है, बल्क स्वस्थ एवं सुरक्षति कामकाज़ी वातावरण, जैसे हानकारक पदार्थों या उत्सर्जन के संपर्क को कम करना को भी बढ़ावा देता है ।
- **जलवायु-अनुकूल नीतियिँ:** जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में शर्मिक सुरक्षा और स्वास्थ्य को प्राथमकित्ता देने वाली जलवायु-अनुकूल नीतियिँ एवं

वनियमों का विकास तथा कार्यान्वयन संगठनों को पालन करने के लिये एक संरचित ढाँचा प्रदान कर सकता है।

- **ऊष्मा तनाव प्रबंधन:** नयिमति ब्रेक, हाइड्रेशन स्टेशन और छायादार स्थानों तक पहुँच सहित ऊष्मा तनाव प्रबंधन कार्यक्रमों को लागू करने से श्रमिकों को गर्म जलवायु में गर्मी से संबंधित बीमारियों से बचाया जा सकता है।
- **अत्यधिक खतरनाक कीटनाशक (HHP) नियंत्रण:** HHP के उत्पादन, बिक्री और उपयोग के लिये सख्त नयिमों एवं मानकों को लागू करना। इसमें अनुमोदन से पहले संपूर्ण जोखिम मूल्यांकन, समय-समय पर समीक्षा और विशेष रूप से खतरनाक पदार्थों पर प्रतिबंध या चरणबद्ध समाप्ति शामिल है।

► Figure 11: Example of an HHP Hierarchy of Controls

<p>More effective</p> <p>↑</p> <p>↓</p> <p>Less effective</p>	<b>Elimination</b>	Physically remove the chemical	Eliminate HHPs and use an alternative pest control method, e.g. biopesticides or techniques such as cover cropping.
	<b>Substitution</b>	Replace the chemical	Substitute the HHP with a less toxic pesticide.
	<b>Engineering controls</b>	Isolate workers from the chemical	Use a system that minimizes the generation or emission of a pesticide, suppresses or contains a pesticide within a controlled area, or delivers the pesticide in a way that reduces misting e.g. using extraction ventilation equipment to remove vapours after treatment or changing nozzle parameters, droplet size or spray pattern.
	<b>Administrative controls</b>	Change the way work is performed	Put in place work systems and practices to provide protection for workers, e.g. adjust work tasks or schedules to limit the time workers are exposed to chemicals and create written operating procedures on handling hazardous substances.
	<b>Personal Protective Equipment (PPE)</b>	Protect the worker with PPE	Ensure workers wear appropriate PPE, e.g. gloves, overalls, masks with filters and safety glasses, as deemed relevant by risk assessment.

**दृष्टांश प्रश्न:**

भारत की वर्तमान व्यावसायिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य ढाँचे की जाँच कीजिये, प्रमुख चुनौतियों पर प्रकाश डालिये और नवीन समाधान सुझाइए।

**UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न**

**????????????:**

**प्रश्न. निम्नलिखित कथनों पर वचिार कीजिये: (2017)**

1. कारखाना अधनियम, 1881 को औद्योगिक मजदूरों की मजदूरी तय करने और मजदूरों को ट्रेड यूनियन बनाने की अनुमति देने के उद्देश्य से पारति किया गया था।
2. एन.एम. लोखंडे ब्रिटिश भारत में श्रमिक आंदोलन के आयोजन में अग्रणी थे।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

**उत्तर: (b)**

**??????:**

प्रश्न. "'भारत में बनाइये' कार्यक्रम की सफलता, 'कौशल भारत' कार्यक्रम और आमूल श्रम सुधारों की सफलता पर नरिभर करती है।"  
तरकसम्मत दलीलों के साथ चर्चा कीजिये। (2015)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/impact-of-climate-change-on-occupational-safety-and-health>

